an>

Title: Regarding making disparaging remark about women.

माननीय अध्यक्ष ः मैंने उनका नोटिस भी देखा है। इस विषय पर मैं इतना ही कहूँगी कि महिलाओं के बारे में, सदन में तो नहीं, पर सदन के बाहर जो टिप्पणियाँ होती हैं, वे वास्तव में अशोभनीय हैं। मैं भी उनसे चिन्तित हूँ। मैं इतना ही कहूँगी कि महत्वपूर्ण पदों पर बैठे हुए व्यक्तियों द्वारा इस तरीके से टिप्पणी नहीं होनी चाहिए। हम सभी की दÂिष्ट से वह ठीक होगा। इससे हमारे देश के भीतर और बाहर भी सांस्कृतिक मूल्यों और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर इस प्रकार आघात होता है। यह स्थिति चिन्ताजनक होती जा रही है। मैं चाहूँगी इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए हम सभी प्रयास करें। बार-बार ऐसी टिप्पणियाँ न हों, इसके लिए हम सब सावधानी बरतें। इतना ही मैं कहना चाहूँगी।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष ः रेल बजट प्लीज।